प्रश्न-अभ्यास

पाठ से—

प्रश्न 1. शान्तनु कहाँ के महाराजा थे ?

उत्तर—शान्तनु हस्तिनापुर के महाराजा थे।

प्रश्न 2. निषादराज ने राजा से अपनी कन्या का विवाह के लिए क्या शर्त्त रखी ?

उत्तर—निषादराज ने राजा से अपनी कन्या के विवाह के लिए शर्त्त रखी कि मेरे पुत्री से उत्पन्न बालक ही राजगद्दी पर बैठेगा। तब हम अपनी कन्या का विवाह आपके साथ करेंगे।

प्रश्न 3. राजा को निषादराज की शर्त मानने में क्या कठिनाई थी ?

उत्तर—राजा को देवव्रत नामक एक पुत्र थे जो महान योद्धा थे। उनमें राजा होने के सारे गुण वर्त्तमान थे। निषादराज की शर्त मानना देवव्रत के साथ अन्याय होता। राजा से देवव्रत के प्रति अन्याय करना असम्भव था। यही कठिनाई थी।

प्रश्न 4. देववत ने हस्तिनापुर की गद्दी पर नहीं बैठने की क्यों प्रतिज्ञा की ?

उत्तर—देवव्रत महान पितृभक्त थे। वे अपने पिता को उदास नहीं देखना चाहते थे। अत: उन्होंने पिता के दुख दूर करने के लिए प्रतिज्ञा की।

प्रश्न 5. देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा ?

उत्तर—जब देवव्रत ने निषाद राज के सामने भीष्म (कठिन) प्रतिज्ञा करते हैं कि मैं आजीवन विवाह नहीं करूँगा। उस समय देवताओं ने उनका नाम भीष्म रख दिया।

प्रश्न 6. देवव्रत ने दाशराज की शर्त्त क्यों मान ली ? सही कथन के आगे सही (√) का निशान लगाइए।

(क) वह राजा नहीं होना चाहते थे।

(ख) उन्हें निषादराज को प्रसन्न करना था।

(ग) वह ब्रह्मचारी बनकर यश कमाना चाहते थे।

(घ) वह अपने पिताजी को सुखी देखना चाहते थे ?

उत्तर—(घ)

प्रश्न 7. मिलान करें—

स्तम्भ 'क'	**स्तम्भ 'ख'**
शान्तनु	निषादों के राजा
भीष्म	दाशराज की पुत्री
दाशराज	हस्तिनापुर के सम्राट
सत्यवती	हस्तिनापुर के युवराज

उत्तर—**शान्तनु**—हस्तिनापुर के सम्राट।

भीष्म—हस्तिनापुर के युवराज।

दाशराज—निषादों के राजा।

सत्यवती—दाशराज की पुत्री।

पाठ से आगे—

प्रश्न 1. अगर आप भीष्म की जगह होते तो क्या करते ?

उत्तर—अगर भीष्म की जगह मैं होता तो वही काम करता जो भीष्म ने किया।

प्रश्न 2. इस एकांकी का कौन-सा पात्र आपको अच्छा लगा। क्यों ?

उत्तर—इस एकांकी के पात्रों में देवव्रत मुझे अच्छा लगा क्योंकि अपने पिता की खुशी के लिए उन्होंने सब कुछ त्यागने की प्रतिज्ञा कर ली।

प्रश्न 3. हस्तिनापुर को वर्तमान में क्या कहा जाता है ?

उत्तर—दिल्ली।

प्रश्न 4. दाशराज की शर्त्त उचित थी तो क्यों ? अथवा अनुचित थी तो क्यों ?

उत्तर—दाशराज की शर्त उचित ही था क्योंकि अगर बिना शर्त के यदि शान्तनु से सत्यवती का विवाह होता तो राजगद्दी के लिए कलह अवश्य होता। अत: हस्तिनापुर को कलह का केन्द्र होने से बचाने के लिए उसने शर्त्त रखी।

व्याकरण

प्रश्न 1. वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर बताएँ।

(क) कुल — कुल कितने रुपये हैं।

कूल — गंगा के दोनों कूलों पर शहरें हैं।

(ख) सौभाग्य — मदन सौभाग्यशाली व्यक्ति है।
दुर्भाग्य — पिता के मरने पर मेरा दुर्भाग्य आरम्भ हो गया।
(ग) अस्त्र — गदा एक अस्त्र है।
शस्त्र — बाण फेंककर चलाने वाला शस्त्र है।
(घ) पुरी — द्वारिका शहर को द्वारिका पुरी कहते हैं।
पूरी — भोज की व्यवस्था पूरी कर ली गई है।
(ङ) सेवा — नौकर मालिक की सेवा करता है।
सुश्रूषा — पुत्र पिता का शुश्रूषा करता है।

प्रश्न 2. निवास-स्थान में योजक चिह्न (-) लगे हुए हैं। इस तरह के अन्य उदाहरण पाठ से चुनकर लिखिए।

उत्तर—निवास-स्थान। नारी-रत्न। सूर्य-चन्द्र। भरत-कुल। भीष्म-देवव्रत। देवता-तुल्य। स्नेह-सूत्र। साफ-साफ।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार लिखें—

प्रश्नोत्तर—

महाराज	युवराज	निषादराज	दाशराज
सत्यवती	कर्णवती	मायावती	दुर्गावती
हस्तिनापुर	दानापुर	समस्तीपुर	मुज्जफरपुर
द्वारपाल	धर्मपाल	देवपाल	भंडारपाल
राजारानी	माता-पिता	गौरीशंकर	भैया-भौभी
इन्द्रपुरी	धर्मपुरी	जनकपुरी	काशीपुरी

कुछ करने को—

प्रश्न 1. इस एकांकी का अभिनय बाल-सभा में कीजिए।

उत्तर—छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 2. महाभारत के कुछ महारथियों का नाम पता कीजिए।

उत्तर—छात्र स्वयं करें।